

getrennt, unmittelbar anstossend, — folgend AK. 3, 2, 17. H. 1431. Schol. zu VS. Prāt. 5, 29. Schol. zu P. 1, 1, 7. unterbrochen, gehemmt: शापव्यवहितस्मृतिः Çāk. 71, 18. durch etwas Zwischenliegendes getrennt so v. a. versteckt, der Wahrnehmung entzogen Schol. zu Kap. 1, 90. Çāk. zu Brh. Âr. Up. p. 36. 191. 247. Çiç. 9, 26. getrennt so v. a. gegenüberstehend, entgegengesetzt, feindlich: °पतना Bhāg. P. 1, 9, 36. zu Etwas nur in Beziehung stehend, nicht unmittelbar betroffen: पूर्वेषां प्रत्यासन्नानुकम्पासंवन्धादनुकम्प्यमानादेव प्रत्ययो विक्रितः । संप्रति व्यवक्रितादपि (nicht der Bemittelte selbst, sondern was zu dem Bemittelten in Beziehung steht) यथा स्यादिति वचनम् Kāç. zu P. 5, 3, 77. अ° unmittelbar auf Etwas gerichtet: अकृत्यव्यवक्रिता (Burn.: qui ne se distingue plus de moi) या भक्तिः पुरुषोत्तमे Bhāg. P. 3, 29, 12. — Vgl. व्यवधा fgg.

— संव्यव, असंव्यवक्रितम् adv. unmittelbar Bhāg. P. 5, 6, 6.

— समव, असमवक्रितम् adv. wohl nicht in unmittelbarer Verbindung mit Çat. Br. 9, 4, 3, 13.

— आ 1) legen, setzen, bringen in, an (eig. und uneig.), richten auf; act.: पाणी Çat. Br. 5, 1, 5, 28. अङ्गे 14, 9, 4, 23. अङ्गुली M. 11, 104. शिरसि R. 2, 115, 12. 5, 31, 1. जनपदे न गदः पद्मादधौ Ragh. 9, 4. शर्मिष्ठामाधास्तल्पे न कर्हचित् Bhāg. P. 9, 18, 30. वेद्यामादध्यात्समारान्दर्भान् Vāñh. Brh. S. 47, 34. 38. आसनमाधाय einen Sitz hinstellend Māñkh. 136, 5. अत्रिः सूर्यस्य दिवि चतुराधात् RV. 5, 40, 8. चन्द्रमिव सूर्यं च्छाद आदधुः 2, 2, 4. आ धूर्ध्वस्मै दधाताश्चान् 7, 34, 4. एतर्हः पितरौ वास आधत्त VS. 2, 32. कुविहृषण्यस्तभ्यः पुनानो गर्भमादधत् RV. 9, 19, 5. 5, 83, 7. 10, 184, 2. AV. 5, 23, 2. 13, 3, 2. MBh. 3, 8639. R. 1, 46, 3 (Gorr. 47, 3). न धृस्मानस्तन्वीर् रूपा आ धुः RV. 4, 6, 6. 7, 104, 9. आ पत्सु ज्वं दधातु AV. 6, 92, 1. न शत्र्यामि बाले ऽस्मिन्गुणानाधातुमीप्सितान् so v. a. einimpfen MBh. 1, 6157. ब्रह्मण्याधाय कर्माणि Bhāg. 3, 10. वीर्यान्ने चैव नौ स्यातामित्याधाय मानसे Hariv. 13408. काप्यकारः स यच्चित्ते पापमाधाय शसनम् Taik. 1, 1, 132. In der nachvedischen Sprache gewöhnlich med.: इतरदनतिलोलमादधाना पद्म Sāh. D. 86, 9. ज्येष्ठायां धर्मचारिण्यां महिष्यां गर्भमादधे MBh. 3, 16637. कठिने दृष्टिमादधे Sāh. 3, 102. मा युद्धे चेत आधिथाः MBh. 5, 4172. 4349. मय्येव मन आधत्स्व Bhāg. 12, 8. गमने मतिमाधत्त पुत्रस्यानयने तदा R. 1, 18, 7. आधीयमानचित् (Calc. Ausg. अ°) Rāga-Tar. 3, 164. नाहं परकृतं दोषं तव्याधास्ये कथं च न so v. a. dir in die Schuhe schieben MBh. 3, 3052. pass.: यैद्वे युक्ते संतत आधीयते Pāñśav. Br. 16, 10, 6. हृदिष्याधीयमाने Çāk. Çā. 5, 13, 6. न हि घटे किंचिदाधीयते Çāk. zu Brh. Âr. Up. p. 36. तत्स्याधीयतां मनः Rāga-Tar. 4, 388. तत्प्रतिपात्रमाधीयतां यत्नः werde die gehörige Sorgfalt gewandt Çāk. 3, 13. आकृत aufgelegt, von einer Wagenlast P. 8, 4, 8. ज्योतिर्हृदयं आकृतं यत् RV. 6, 9, 6. सर्वा ता यम आकृता 10, 14, 16. AV. 7, 30, 8. 14, 1, 35. धनुर्दिमाकृतसायकम् Çāk. 36. शेषः सैवाकृतभूमिभारः 101. उष्यन्तेनाकृतं तेजो दधानाम् — अवेहि तनयाम् 79. मदनार्चनाकृतमति Dhūrtas. 83, 10. आकृत aufgelegt, Bez. einer Art zu fechten Hariv. 15979. — 2) zulegen (Holz zum Feuer): यदा ते दाक्षिणि धूमसि RV. 8, 91, 20. Çat. Br. 11, 5, 3, 3. Kāñd. Up. 4, 6, 1. Pār. Gṛh. 2, 3. समिदाधीयते H. 827. med.: शकलान् Çāk. Çā. 8, 9, 1. अग्राविवागिराकृतः wie Feuer zu Feuer gelegt MBh. 3, 2696. — 3) einsetzen (im Spiel): प्रतिदीवे दधत् आ कृतानि RV. 10, 34, 6. आकृत niedergelegt als Pfand, versetzt: आकृतः स्वामिना च

यः (दासः) Nārada in Mit. 268, 2. 8. Vivāda. 43, 13; vgl. 1. आधि. — 4) Jmd (dat. loc. gen.) geben, verleihen; act.: ज्येष्ठे माता सूनवे भागमाधात् RV. 2, 38, 5. बलमोक्षः 6, 47, 30. रयिम् 10, 40, 13. 8, 82, 27. तस्मा अती विचत् आधत्तम् 1, 116, 16. इन्द्रे त्रैलोक्यमाधाय MBh. 1, 7735. अयं राजानमाधाय पाञ्चालेषु 3, 7441. पृथिवी बलमादध्यात् (मे) 2, 1149. P. 1, 4, 73. Schol. आप्या ह्याया पालं प्रभमादधाति Vāñh. Brh. S. 67, 92. 68, 3. 104, 12. मन्त्रिषाधाय तद्राज्यम् übergeben R. 1, 43, 13. मन्त्रं दधात यज्ञिषेष्वा darbringen RV. 7, 32, 13. यस्मिन्त्रतान्यादधुः 8, 92, 1. 4, 13, 2. 32, 12. 5, 7, 9. AV. 7, 5, 2. भियसमा धेहि शत्रुषु jage den Feinden Furcht ein RV. 9, 19, 6. med.: प्राणापानाभ्यां बलमादधाना verleihend Pār. Gṛh. 2, 2. सर्वेषां मानमादधे er erzeugte Allen Ehre Bhāg. P. 1, 11, 22. वापदेवतायाः सामुख्यमाधत्ते wendet sich an Sāh. D. 1, 4. — 5) versetzen in, act.: सज्जातानां श्रेष्ठ आ धेहेनम् AV. 1, 9, 3. नरस्या दधामि त्वा 2, 10, 3. उत्तमे लोकै 11, 4, 11. Ait. Br. 2, 6. लोकानाधेहि शर्मणि Bhāg. P. 3, 18, 23. पुनस्त्वा ब्रह्मणस्पतिराधादीधीपुत्राय restituere AV. 12, 2, 6. gebrauchen zu, verwenden bei: तमेव चाधाय विवाहसादये Ragh. 7, 17. नाज्ञौ तैरिष्यताधातुं यः Rāga-Tar. 6, 252. — 6) sich (Feuer auf dem Heerde oder Altar anlegen) anlegen, med.: तत्रैतावमो आधत्त AV. 13, 1, 46. आ यं दधे मातरिषा RV. 3, 2, 13. Çat. Br. 1, 7, 3, 23. 2, 1, 4, 2. 2, 1, 3, 9. Kauç. 33. आधिराधायि RV. 5, 73, 9. यमप्याधातुमिच्छति तापसाः सततं वने । तस्यासौ दृश्यते धूमः संकुलः कृत्स्नवर्त्मनः ॥ R. Gorr. 2, 108, 10. Vgl. आकृताग्निः, अन्याधान. — 7) nehmen, empfangen, erhalten; med.: आ यद्वज्रं दधिषे हस्ते RV. 7, 28, 2. आ स्वश्रयं दधीत 1, 40, 2. पितुर्नपीतमा दधीत वेद्याः 10, 10, 1. (यज्ञः) यमा मनुष्वत्प्रादिवो दधिधे 4, 34, 3. इमां च मालामाधत्स्व R. 4, 21, 17. Ragh. 5, 57. Rāga-Tar. 4, 36. पात्रचीवरमाधाय Upag. Av. 7. गर्भम् Leibesfrucht empfangen, concipere: यद्येयं पृथिवी भूतानां गर्भमादधे AV. 5, 23, 2. RV. 3, 27, 9. यथा च कर्कटी गर्भमाधत्ते मृत्युमात्मनः MBh. 4, 272. Ragh. 2, 75. von der Frau Kinder empfangen: वसुदेवः सुतानश्चावदधे सखदेवया Bhāg. P. 9, 24, 31. तत्तपुष्करशालादीन्द्रवाद्यो वक् आदधे 42. zu sich —, in sich aufnehmen: हस्तेदममृतमत्तरात्मना दधामहे Çat. Br. 2, 2, 2, 10. जलमादधानाम् (v. 1. आदधानाम्, Ragh. 2, 6. अमित्रा कृत्स्वा दधतां भयम् so v. a. erschrecken AV. 8, 8, 2. क्रौधमादधे Hariv. 9283. आकृतक्रौधा Amar. 18. जिनशासनमाधातुम् die Lehre annehmen Upag. Av. 2. व्रतमाधाय ein Gelübde auf sich nehmen 20. act.: कपयो ह्रतवाक्यानि श्रुत्वा भयमादधुः erschrecken R. 4, 37, 20. — an sich nehmen, aufbewahren: आदधते प्रेङ्गमिश्रम् Çāk. Çā. 18, 24, 3. — 8) hervorbringen, bewirken, verursachen; med.: (ज्योतिः) अश्वत्थाम्नः Bhāg. P. 3, 3, 34. (पिशिताशनानाम्) ह्यायाश्चरन्ति वज्रधा भयमादधानाः Çāk. 75. तीर्याभिषेकज्ञो शुद्धिमादधाना महीलितः Ragh. 1, 85. प्रत्ययम् Kumāras. 6, 20. शीत्कृतानि Bhartr. 1, 49. Kathās. 9, 70. Kir. 3, 39. Bhāṭṭ. 2, 8. तत्र प्रत्यूहमाधातुं ब्रह्मापि खलु कातरः Bhartr. 1, 60. Rāga-Tar. 3, 35. आकृतौत्सुक्य Ragh. 2, 73. आकृताङ्ग Kir. 5, 30. act.: न — चित्तस्य नो विस्मयमादधाति Mālav. 92. Çāk. Einschub. nach 19. Çrut. (Br.) 5. न — नादमादधुः Rāga-Tar. 5, 141. — 9) आकृत gethan, von einem Gelübde: इति मे व्रतमाकृतम् MBh. 3, 2600. 3, 7060. 7310. 13, 155. — आकृत Pāñśav. 43, 4 ist wohl kaum richtig. Für आधात Kaurap. 16 und परिधात beim Schol. ist mit Schütz ०धूत zu lesen; die Calc. Ausg. hat statt dessen आबद्ध. — Vgl. आधान, आधायक, 1. आधि, आधेय, आहि-